सं० २२८.१

शिव

4120 - 8

शिव तंत्र - तन्त्र

गुरुमुखी लिपि

५० पृष्ठ

~~S.7~~

~~8~~ 6

~~Shri~~

Shivanirvana
unpublished.

Shaivi Tantra.
Sharada

—

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] वटु ३

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

नि० [illegible]

० [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ं विघ्न[illegible]
[illegible] ॥ ३३ [illegible] ॥ इति
[illegible] ॥ [illegible] विघ्न [illegible]
[illegible] ॥१॥
[illegible]
[illegible] ः ।०॥ [illegible]
[illegible] यनमः [illegible] यनमः [illegible] यनमः
[illegible] यनमः [illegible] यनमः [illegible] यनमः
[illegible] नमः [illegible] नमः [illegible] नमः [illegible]
[illegible] यनमः [illegible] ॥ ततः [illegible]
[illegible] यनमः ०० ॥ इति [illegible]
[illegible] नमः ० [illegible]
[illegible] यनमः ० ॥ इति [illegible]
[illegible]
[illegible] यनमः [illegible]
[illegible] नमः [illegible] यनमः [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] यनमः
नि. [illegible] नमः [illegible] नमः ॥ [illegible]
९ [illegible] ॥ इति [illegible] ॥

८ ॐ अस्त्राय : पवनि : वायुह्य न व ते अहसि कृ तालति
। हूं हृं ... स्त्रूं ...

स्त्रूतत्त्वाय नमः हृदि विष्णुतत्त्वाय नमः कण्ठे शि
वतत्त्वाय नमः शिरसि ॥ शिवतत्त्वाय कान्ते अस्य
शिवतत्त्वाय ललाटे सदातत्त्वाय ब्रह्मरन्ध्रे विष्णु
तत्त्वाय तत्त्वनिर्मयाय तत्त्वाय कण्ठे कलातत्त्वाय
हृदि नियतितत्त्वाय नाभौ पुरुषतत्त्वाय मेढ्रे
गतितत्त्वाय पादयोः ॥ त्रिं हूं ह त्रिं हें शिर त्रि
ं शिखाय त्रिं हुं क त्रिं हैं त्रिं हः अस्त्राय फट्
ॐ प्रलम्बत्वं मठ ... मलव क्षमा हुं ठं वषु
पं सुरव पञ्चमि प्रलम्बत्वं विपरीत हं अंगुष्ठ
तो यस्य विमुक्ति स्थितिरुपरि भकम भगवन्महृदयम
स्तुतो ॥ ततः शिवनामङ्कितेन वक्त्रपञ्चकमंग
कः शिवेन पिबितः शिवः पञ्चमुखसकोशेमुः
शिवनमः शकीर्तितः ॥ अथ भुजाकारतलम
हृत्कुलायु हुं । अं भैम अ मंलयाय नमः वाम करे
सं यं वं रं लं तिलकपञ्चकं सकृत्कोमुद्
महुलयाय नमः सं यं वं रं लं तिलकपञ्चकं नव
पुरम्पुरं मसात शिरसि मंप्रद स्वंअङ्कं अवत्तुंस
समि ... हुंहृदि पञ्चहुं शिरशिखात्मतो
ऽतिशिवहमः ॥ अत्र मकरान्तं नाभिमकरन्तं
पुराभीकार अस्तु चकारै कारप्रियभुवि

हां हृदयाय नमः
उत

𑆤𑇀𑆪𑆁 𑆠𑆠𑇀𑆮𑆠𑇀𑆫𑆪𑆁 𑆯𑆴𑆮𑆮𑆴𑆢𑇀𑆪𑆳𑆯𑆴𑆮𑆁𑆱𑇀𑆛𑆶 𑆲𑆴𑆂
𑆒𑇀𑆪𑆁 𑆠𑆠𑇀𑆮𑆁 𑆯𑆴𑆮𑆼𑆯𑆳𑆪 𑆯𑆴𑆮𑆂 𑆒𑇀𑆪𑆁 𑆲𑆴𑆲𑆷𑆁 𑆠𑆠𑇀𑆮
𑆯𑆴𑆮𑆠𑆠𑇀𑆮𑆳𑆪 𑆯𑆴𑆮𑆁 𑆠𑆠𑇀𑆮𑆁 𑇆 𑆩𑆤𑇀𑆠𑇀𑆫𑆑𑆼
𑆱𑇀𑆮𑆳𑆲𑆳 𑆥𑇀𑆫𑆟𑆮 𑆯𑆴𑆮𑆩 𑆥𑇀𑆫𑆟𑆮𑆩𑆳 𑆯𑆴𑆮𑆠𑆠𑇀𑆮𑆳𑆪 𑆤𑆩𑆂
𑆩𑆤𑇀𑆠𑇀𑆫 𑆯𑆴𑆮𑆠𑆠𑇀𑆮𑆳𑆪 𑆤𑆩𑆂 𑆃𑆁 𑆇𑆯𑇀𑆮𑆫𑆠𑆠𑇀𑆮𑆳𑆪 𑆱𑆢𑇀
𑆪 𑆮𑆴𑆢𑇀𑆪𑆳𑆠𑆠𑇀𑆮𑆳𑆪 𑆩𑆳𑆪𑆳𑆠𑆠𑇀𑆮𑆳𑆪 𑆑𑆬𑆳𑆠𑆠𑇀𑆮𑆳𑆪
𑆥 𑆤𑆴𑆪𑆠𑆴𑆠𑆠𑇀𑆮𑆳𑆪 𑆥𑆶𑆫𑆶𑆰𑆠𑆠𑇀𑆮𑆳𑆪 𑆥𑇀𑆫𑆑𑆸𑆠𑆴
𑆠𑆠𑇀𑆮𑆳𑆪 𑆁 𑇆 𑆓𑆶𑆟𑆠𑆴𑆩𑆷𑆪𑆤𑆩𑆂 𑆩𑆤𑇀𑆠𑇀𑆫 𑆯𑆶𑆩𑆠𑇀
𑆪𑆤𑆩𑆂 𑆥𑇀𑆫 𑆠𑆼𑆮𑆼𑆤𑆩𑆂 𑆱 𑆯𑆩𑆳𑆠𑇀𑆫𑆤𑆩𑆂
𑆥 𑆩𑆑𑇀𑆰𑆪𑆪𑆤𑆩𑆂 𑆠 𑆲𑆴𑆁𑆜 𑆥𑆯𑇀𑆖𑆴𑆩
𑆩𑆑𑆮𑆩𑆜𑆴𑆩𑆶 𑆲𑆼𑆩𑆴𑆫𑆩 𑆠𑆠𑆁 𑆯𑆴𑆫
𑆜𑆴𑆩𑆶 𑆁 𑆯𑆴𑆮𑆳𑆪 𑆥𑇀𑆫𑆖 𑆯𑆴𑆫 𑆜𑆴𑆩𑆶𑆠 𑆑𑆷𑆁
𑆑𑆮𑆖𑆳𑆪 𑆩𑆤𑇀𑆠𑇀𑆫 𑆲𑆼𑆤𑆼𑆠𑇀 𑆱𑆯𑆴𑆬 𑆥𑆳𑆢𑆳 𑆯𑆴𑆠𑆫𑆜𑆴𑆩𑆶
𑆜𑆴𑆩𑆶 𑆑𑆷𑆁 𑆒𑇀𑆪𑆁 𑆯𑆩𑆷𑆪𑆒𑇀𑆪𑆁 𑆑𑆾𑆱𑆑𑆼
𑆩𑆤𑆮𑆳𑆩𑆜𑆴𑆩𑆷 𑇆 𑆬𑆁𑆩𑆴𑆯𑇀𑆫𑆠𑆩𑆠𑆶𑆪
𑆤𑆩𑆂 𑆥𑆯𑇀𑆖𑆴𑆩 𑇆 𑆲𑆴𑆁𑆮 𑆩𑆱𑆮𑆓𑆲𑆪𑆤𑆩𑆂
𑆠𑆠𑇀 𑇆 𑆲𑆴𑆁 𑆯𑇀𑆪𑆾𑆓𑆲𑆷𑆪𑆤𑆩𑆂 𑆥𑇀𑆫𑆖 𑇆 𑆪𑆁𑆠
𑆩𑆶𑆥𑆮𑆑𑇀𑆫𑆪𑆤𑆩𑆂 𑆩𑆤𑇀𑆠𑇀𑆫 𑇆 𑆲𑆴𑆁 𑆱𑆤𑇀𑆥𑇀𑆫
𑆮𑆼𑆤𑆩𑆂 𑆱𑆯𑆴𑆬 𑇆 𑆲𑆴 𑆯𑆴𑆮𑆳𑆪𑆤𑆩𑆂 𑆁𑆱𑆤𑇀

ओं ह्रौं मायाविद्ये हूं । ओं [illegible] ओमासनक [illegible]
हं हीं क्रूं हैं हौं हः ओमासनक [illegible] नमः [illegible]
[illegible] नमः [illegible]
[illegible]
[illegible] रागतत्त्वाय, कलातत्त्वाय, [illegible] नियति
तत्त्वाय च प्रकृतितत्त्वाय [illegible]
यतत्त्व मायातत्त्वं नियतितत्त्व नियतितत्त्वं
प्रकृतितत्त्व [illegible] नमः ॥ [illegible]
[illegible] सकलं [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] अनन्ताय नमः [illegible]
[illegible] नमः पद्माय नमः [illegible] ज्ञानाय नमः
वैराग्याय नमः ऐश्वर्याय नमः अधर्माय
नमः अज्ञानाय नमः [illegible]
[illegible] नि[illegible] सकलं [illegible]
[illegible]
नि॰ [illegible]
[illegible] लं वं रं यं हं ॥ [illegible]

𑆤𑆩𑇀𑆫𑆷𑆤𑆁𑆪𑆓𑆑𑆷𑆫𑇀𑆩𑆴𑆁𑆱𑆥𑆸𑆱𑆪𑆘𑆳 𑇄𑆠𑆴𑆣𑆥𑇀𑆫𑆷𑆓
𑆢𑇀𑆫𑆷𑆮𑆴𑆣𑆴𑆂 𑇆 𑇆𑆠𑆠𑆂 𑆱𑆠𑇀𑆮𑆱𑆷𑆬𑇀𑆱𑆷𑆠𑇀𑆫𑆱𑆠𑇀𑆮𑆮𑆴
𑆱𑆷𑆠𑇀𑆫𑆬𑇀𑆱𑆷𑆠𑇀𑆫𑆱𑇀𑆩𑆳 𑆠𑆬𑇀𑆥𑆳 𑆘𑆱𑆷𑆱𑇀𑆠𑇀𑆫𑆬𑇀𑆥𑆳 𑇄𑆠𑆴𑆱
𑆠𑇀𑆫𑆷𑆮𑆴𑆣𑆴𑆂 𑇆 𑆠𑆠𑇀𑆫𑆱𑆱𑆷𑆠𑇀𑆫𑆬𑇀𑆱𑆷𑆠𑇀𑆫𑆂𑆱𑆷𑆠𑇀𑆫
𑆬𑇀𑆩𑆳 𑆠𑆠𑇀𑆫𑆱𑆱𑆷𑆁𑆥𑇀𑆫𑆢𑆷𑆤𑆴𑆜𑆁 𑇆𑆑𑆷𑆫𑇀𑆩𑆴𑆁𑆩𑆸𑆠𑆁𑆜𑆬
𑆥𑇀𑆫𑆬𑆁𑆱𑆷𑆫𑇀𑆪𑆘𑇀𑆚𑆳 𑆱𑆝𑇀𑆝𑆴𑆁𑆱𑆠𑆠𑇀𑆮𑆠𑆸𑆱𑆪𑆱𑇀𑆑𑆷𑆠𑆳𑆥
𑆤𑆷𑆱𑆪𑆱𑆪𑆱𑆩𑆱𑆬𑆜𑆠𑇀𑆫𑆱𑆥𑆠𑆸 𑆱𑆩𑇀𑆪𑆓𑆱𑆱
𑆬𑆴𑆮𑆁𑆱𑆬𑆁 𑇆𑆱𑆤𑆷𑆓𑆁𑆮𑆷𑆤𑆑𑆷𑆫𑇀𑆩𑆴𑆁𑆩𑆥𑆠𑆁𑆠𑆤𑆢
𑆘𑆳 𑆜𑆬𑆾𑆬𑇀𑆬𑆳𑆥𑆤𑆁𑆑𑆾𑆨𑆴𑆜𑆬𑆁 𑆍𑆮𑆁𑆩𑆩
𑆤𑆁𑆬𑆨𑆤𑆁 𑆘𑆝𑆁𑆤𑆁 𑆥𑇀𑆫𑆳𑆁𑆬𑆁 𑆱𑆩𑇀𑆬𑆤𑆁𑆠𑆲𑆷𑆁
𑆱𑆳𑆁 𑆩𑆬𑆶 𑆱𑆜𑆳𑆁𑆬𑆁 𑆩𑆾𑆑𑇀𑆠𑆴𑆑𑆥𑇀𑆫𑆳𑆁𑆬𑆁 𑇆
𑇄𑆑𑆷𑆁𑆱𑆤𑆷𑆓𑆁𑆮𑆷𑆤𑆱𑆁𑆑𑆷𑆫 𑆮𑆴𑆰𑆪 𑇆𑇄𑆠𑇀𑆫𑆱𑆁𑆠𑇀𑆫𑆵
𑆱𑆬𑇀𑆪𑆘𑇀𑆚𑆳 𑆜𑆠𑆵𑆱𑆼𑆱𑆷𑆁𑆱𑆠𑇀𑆠𑆶𑆮𑆑𑆁𑆱𑆷𑆁𑆱𑆼𑆱𑆁𑆱
𑆠𑇀𑆫𑆷𑆥𑆴𑆱𑆴𑆬𑆵𑆱𑆳 𑆱𑆑𑇀𑆱𑆱𑆬 𑆱𑆱𑆷𑆑 𑆱𑆷𑆥𑆓𑆜𑆪
𑆑𑆫𑆱𑆷𑆬 𑇄𑆑𑆷𑆁𑆱𑆠𑆷𑆮𑆴𑆱𑆷𑆖𑆼𑆱𑆠𑆷𑆱𑆠𑆷𑆱𑆮
𑆱𑆠𑇀𑆠𑆷𑆓𑆠𑆷𑆱𑆱𑇀𑆥𑆲𑆴𑆁 𑇆𑇄𑆠𑇀𑆮𑆱𑇀𑆪𑆘𑇀𑆚𑆳 𑇄𑆲𑇀𑆫𑆵𑆁𑆑𑆷𑆁
𑆱𑆴𑆘𑇀𑆚𑆷𑆱𑆣𑆴𑆠𑆴 𑇄𑆲𑇀𑆫𑆵𑆁𑆑𑆷𑆁𑆱𑆠𑇀𑆮𑆱𑇀𑆮𑆑𑆱𑆠𑆷𑆥𑆴
𑆬𑆴 𑇄𑆲𑇀𑆫𑆵𑆁𑆑𑆷𑆁𑆱𑆱𑆩𑆶𑆮𑆠𑆷𑆤𑆴𑆤𑆠𑆴𑆤𑆴 𑇄𑆲𑇀𑆫𑆵𑆁
𑆑𑆷𑆁𑆮𑆴𑆣𑆴𑆠𑆴 𑇄𑆲𑇀𑆫𑆵𑆁𑆑𑆷𑆁𑆱𑆮𑆱𑆩𑆷𑆮𑆬𑆳𑆤𑆤𑆴𑆱𑇀𑆜
𑆜 𑇆𑆱𑆰𑆥𑆶𑆥𑆱𑆠𑆂 𑇄𑆲𑇀𑆫𑆵𑆁𑆱𑆮𑆱𑆱 𑆱𑆴𑆮𑆑𑆷𑆁

[illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible] वामदेवाय नमः ज्ये-

ष्ठाय नमः रुद्राय [illegible] कलविकरणाय बल-

विकरणाय बलप्रमथनाय सर्वभूतदमनाय

मनोन्मनाय नमः ॥ [illegible]

[illegible]

नि. [illegible] ॥

५

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

० विपरीतक्रमेण [illegible]

[illegible] एवं लिखितं

[illegible]

ति.

१

[illegible] ऋषिः [illegible]
[illegible] निमित्तं [illegible] सर्वकलश [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] देवता॥ [illegible]
देवता। ऋषिः [illegible]
[illegible] निमित्तं [illegible] सर्वकलश [illegible]
[illegible]॥ [illegible]
[illegible] देवता।
[illegible]· ऋषिः [illegible]
[illegible] नमः॥ ॥ अथ सर्व
स्नानविधिः॥ [illegible]॥ [illegible]
[illegible]॥ एकविंशति स्नाना। [illegible]
स्नाना। [illegible] स्नाना। [illegible]
[illegible] नमः ३ [illegible]
[illegible]॥ [illegible]॥ लं स
द्योजातवक्त्राय [illegible] नमः वं वामदेववक्त्रा
य [illegible] नमः॥ [illegible] अघोरवक्त्राय [illegible] नमः

यं उत्पुच्छवज्राय स्वाहा नमः ॥ क्रां गं मां नवज्रा
य स्वाहा नमः ॥ ॐ वक्रतुण्डाय स्वाहा नमः
इत्यनेन पुष्पकलशमण्डले ॥ ॐ ह्रीं पुष्पाञ्जलि ॐ
श्रीं ... क्रं ... ह्रीं हुं हैं हः ... नन
... नमः ... स्वाहा नमः ...
... इत्यनेन पुष्पकलशमण्डले ॥ ततः
... कलशमण्डले । ... ततः
... ३ ... ३ ... ३ ...
... : ५० ... कलशमण्ड
ले: ॥ ततः ... कलशमण्डले ...
... कलश ... मन्त्र
... ॥
ॐ वक्रतुण्डाय नमः : ...
... :
... इत्यनेन ततः
... ॐ वक्रतुण्डाय ... वज्रा ...
य स्वाहा नमः : ... ...
... स्वाहा नमः ॥ ॐ

नि॰

१

ॐ ह्रीं श्रीं मनोन्मन्यै [illegible] नमः ॐ
ॐ सर्वभूतदमन्यै ॐ बलप्रमथन्यै ॐ बलवि-
करण्यै ॐ कलविकरण्यै ॐ काल्यै ॐ रौद्र्यै
ॐ ज्येष्ठायै ॐ वामायै [illegible] नमः ॥ [illegible]
[illegible] ॐ नमो भगवते [illegible] नमः
[illegible]
[illegible]
[illegible] विधिः ॥ ॐ ह्रं ह्रीं [illegible]
[illegible] नमः [illegible]
[illegible] नमः [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ ॐ नमो भगवते [illegible] नमः [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible] ह्रूं कवचाय
[illegible] शिखायै ह्रीं शिरसे [illegible] हृदयाय नमः ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] नमः [illegible] ह्रीं [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] नमः ॥
[illegible] ह्रीं [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ह्रीं [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] नमः [illegible]
[illegible] मः शिवतत्त्वाय नमः
[illegible] विद्यातत्त्वाय नमः [illegible] आत्मतत्त्वाय नमः
[illegible] आत्मतत्त्वाय
मः विद्यातत्त्वाय नमः शिवतत्त्वाय नमः

प्रकृतितत्त्वाय नमः पुरुषतत्त्वाय नमः नव
तत्त्वप्रत्ययमात्मस्य शिवतत्त्वाय नमः शक्ति
मम शिवतत्त्वाय नमः नमो हं शक्तितत्त्वाय
नमः ह्रीं विद्यातत्त्वाय नमः आत्मतत्त्वाय नमः क
लातत्त्वाय व नियतितत्त्वाय पुरुषतत्त्व
य ं प्रकृतितत्त्वाय नमः मन्त्र हृः ॐ
शान्त्यतीतायै शिवशक्तिप्रकृतिकलायै
निवृत्तिकलायै नमः ं प्रतिष्ठाकलायै न
विद्याकलायै नमः शान्तिकलायै न शान्त्यती
ता कलायै नमः शिवशिवविकमन्त्र ह्रूं
नमः हृदयं शक्तिशिवमन्त्र ॥ मन्त्राय नमः
मन्त्राय नमः अधमन्त्रेभ्यो नमः धर्माय
ज्ञानाय वैराग्याय ऐश्वर्याय अज्ञानाय अ
धर्माय अवैराग्याय अनैश्वर्याय अधर्माय
प्रकृति ह्रीं सूक्ष्मतत्त्वाय नमः ॐ मन्त्राय न
मः अग्निमण्डलाय ज्ञानाधिपतये त्रिभुवन
मः ह्रूं विद्यातत्त्वाय ज्ञानशक्त्यै सोम
मण्डलाय सोमाधिपतये रूपिणे नमः मः
शिवतत्त्वाय क्रियाशक्त्यै सूर्यमण्डलाय

[illegible]

नि॰

७

[illegible]

ॐ श्लीं पशु हुं फट् अङ्गानि ह्रीं हुं हैं ह्रः ॐ
मन्त्र पुरुषस्य हृदे नमः पञ्चास्याय नमः ॐ
ह्रां स्फ पञ्चवक्त्रेण नमः एवं पञ्चवक्त्रं त्रि
कलशे मनुं शिवकलशेषु पञ्चवक्त्रं अ
वं लिखित्वा ॥ उत्तरमुखाय शक्तिः
शकलशेषु अमृतपूर्णेन नियुक्तेन
नाभि पञ्चत्वा ईशानमन्त्रपञ्चं पञ्च
पञ्च पञ्चकं पञ्चात् तत्पुरुषाय नमः अघोरा
य नमः वामदेवाय सद्योजाताय ईशा
नाय तत्पुरुषाय अघोराय सद्योजाताय
ईशानमूर्तये नमः ॐ ॐः पूर्णेन नमः अमृतक
लशपञ्चकं पञ्चकमध्ये पञ्चवक्त्रं
प्रणवयुतं ॐ पञ्चवक्त्राय नमः लं
वं यं रं हः ईशानमन्त्रं अमृतेन
नं ह्रां हृदयाय नमः ह्रीं शिरसे स्वाहा ह्रूं शिखायै वषट्
ह्रैं कवचाय हुं ह्रौं नेत्रत्रयाय वौषट्
ॐ ह्रः अस्त्राय फट् ॐ ह्रीं मन्त्राय ह्रूं श्री
नमः ह्रः अङ्गानि ॥ ॐ ह्रीं श्लीं सं मङ्गल

नि· १०

[illegible] 𑆨𑇀𑆪𑆳𑆁 𑆤𑆩𑆂 [illegible] 𑆨𑇀𑆪𑆳𑆁 𑆤𑆩𑆂 [illegible]
[illegible] 𑆨𑇀𑆪𑆳𑆁 𑆤𑆩𑆂 [illegible] 𑆨𑇀𑆪𑆳𑆁 𑆤𑆩𑆂
[illegible] 𑆨𑇀𑆪𑆳𑆁 𑆤𑆩𑆂 [illegible]
[illegible] 𑆤𑆩𑆂 [illegible] 𑆨𑇀𑆪𑆳𑆁 𑆤𑆩𑆂 [illegible]
[illegible] 𑆨𑇀𑆪𑆳𑆁 𑆤𑆩𑆂 [illegible] 𑇅 [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] 𑇅 𑆃𑆡 [illegible] 𑇅 [illegible]
[illegible]
[illegible] 𑆤𑆩𑆂 𑇅 [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] 𑆃𑆡 [illegible]
[illegible] 𑆤𑆩𑆂 [illegible]
[illegible]
[illegible]

टुः भैरव॰

सप्तमात्रि शिवप्रीत्यै न्यास देवी सहित वटुक-
भैरव प्रीत्यै सह लक्ष्मी सहित अनङ्ग भैरव
प्रीत्यै ३ [ ] सहेन नमो मन्त्र
मय सहेन यमन्तकाय ३ सहस्रावर्ता म-
टुः भैरव गीतं मन्त्र म्यू भूर्लोक भूक सह
मूलं न्यास देवी दी पुं ह्रीं मूं सं सहन
क्रीं दीपुं उं यंसमन्त्री ७ । ह्रीं अं भैरव दी ३ ह्रीं
उं स्वच्छ ह्रीं हुं ह्रीं भुवी ७ ह्रीं सं कें स गी ह्रीं
कं स दरी ह्रीं सं वं क्षीं सं पं गि कल्पय
भिन्नस ह्रीं तिसन्ध्य गान्धर्व ॥ अथ न्यास
दलपुर ॥ नि भिन्न ह्रीं मि त्रयसीवे
सकल सहस्रावर्ता न्यास देवी स॰ वटुक
भैरवाय भीषणकाय कङ्कालाय भीम-
रवाय सदा न्याय करवीराय कालक-
ष्ठाय कलशन्याय उल्लासगाय प्रचण्डकाय ०० प्र
यः स्वाहा नमः श्रीं सं स्वाहा नमः सहस्रेन सह
स्रवर्ता भिन्न भैरवगीत न्यायनमूय सहक
मनमूलं शिवसनवीय मूलं प्रथस्वाहान
मः श्रीं सं स्वाहा नमः सहेन उरुसेस्वाहाम

प्रचवतो अमृतेशमसीप अह्र गसर्येन
मः वर्मे यसन्येनमः मवसे पुरु पाङ्क
मा उतिअमृते उतः पद्म पेहे धु मनं प्रह
यतो मनत्तयनमः सुपार्स मंत्रे पक्षय सून
य वेगशृय त्रिमहूय ऋपक्षय मङ्गलय मघ्र
मितेहूर्ले पाङ्गवङ्ग समर ॐ मम त्रिकमा
मुलं मा अत्रुध्रापङ्ग वर्मे मा कर्णचतुर्मा
मतुल ॐ परम्बम ॐ भुसदृ –वमकः
वाङ्गुनवस्मन प्रहे मयसवी भुपत्तगमा
उतिसुह मतम अमृते ॐ हूं वक्रपठ
रवयवेषल त्रिलंमहेस्तवक्रयधुप
नमः ऱ्वं वं वं यं मं गं मनवक्रयभुपन
मः सनत्तमक्रेय समुयलेर्ल ह्रीं मलय
मक्रेय नेद्रम्य यवेषल हूं मतन्नुयक
वमयकं कुंमन शिवेप मापयवेषल
ह्रीं शिम मिरस्भुत हूं मचम्लहूत्सयय
नमः ॥ पतभस्वेहूर्न ॐ मयसवीनवपे
सन भा सुमं त्रिकं धमु हूंमल्लं ह्रीप
नि. रमस्वेम्हूर्न ॐ मयसवे मुपनमः॥ उम
०१ नमय उ समृतवतो मयसवीम·वक

[illegible] ठ गोत्रस्य अमुकशर्म्मणः [illegible] । पितः ठ
गवगोत्र अमुकशर्म्मन् प्रेतलोके [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] । पितः ठ गवगोत्र अमुक प्रेत
लोके [illegible]
[illegible]
[illegible] । पितः ठ गवगोत्र अमुकशर्म्मन् प्रे
तलोके [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ ॥ ॥
[illegible]
[illegible]

[illegible]

ति·
03

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible] कल्पयामि नमः [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] नमः [illegible] १ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] नमः [illegible]
[illegible] नमः [illegible]
नमः [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] नमः [illegible]
[illegible] नमः [illegible] नमः [illegible] नमः [illegible]
[illegible] नमः [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] नमः
ति. [illegible]
०८

वणमुख्यै ॐ ह्रां मन्त्रः प्रभवक्त्रकल्पनं करोमि स्वा-
हा १ ॐ ह्रूं मन्त्रः नेत्रत्रयकल्पनं करोमि स्वाहा १
ॐ हं मन्त्रः शीर्षं कल्पयामि स्वाहा १ ॐ हं मन्त्रः
मः शिवतत्त्वमायं कल्पयामि स्वाहा १ ॐ हं मन्त्रः
ह्रूं विद्यातत्त्वहृदयं कल्पयामि स्वाहा १ ॐ हं मन्त्रः
ॐ आत्मतत्त्वपादौ कल्पयामि स्वाहा १ पादौ १
सान्ध्र १ स्तन १ उदरं १ कटिं १ मध्यं १ नाभिं १
उरं १ हृदयं १ कण्ठं १ वक्त्रं १ कुक्षि १ पीठं १
मायं १ [illegible] करोमि स्वाहा १ ममम
सीरं १ ममप्रस्तुतं १ शीर्षत्रेत्रयनं १ ममप्र
स्तुतं १ ह्रौं मन्त्र [illegible] नमः [illegible]
ह्रौं [illegible] ह्रौं मन्त्र [illegible] णमुख्यै ॐ ह्रूं मन्त्रः
[illegible] करोमि स्वाहा १ ममप्रस्तुतं १ ॐ [illegible]
[illegible] नमः [illegible] मन्त्रयै
मुख्यै ॐ [illegible] मन्त्रं [illegible] कल्पयामि स्वाहा १ ॐ
ॐ ह्रूं मन्त्रः [illegible] करोमि स्वाहा १ ममप्रस्तुतं १
ॐ [illegible] मन्त्रः [illegible] स्वाहा १ [illegible]
[illegible] मन्त्रः [illegible] करोमि स्वाहा १
ममप्रस्तुतं १ [illegible] मन्त्रः [illegible] करोमि स्वाहा १

ॐ हं मन्त्र शीर्ष [illegible] करोमि स्वाहा [illegible] ममप्रस्तुतं [illegible]

मण्डलं ७॥ ॐ कला पृथ्वींपश्चिमप्रद्युम्नमिति कला ३
कला पृथ्वींपद्मकूर्ममिति कला ३ कला पृथ्वींपतितिधिकृ
मिति कला ३ कलायत्तस्त्र सर्वतीर्थमि कलायत्तस्त्र
कुमशि सर्वते सुखमाज्ञिमिति कला प्रविदूय: सर्वयाकृ
यत्तामिणडेरभूप: सुकिमसुसर्वे— सुरादय
ह्लमिद्धुय। प्रवाहिकूसे— विसूरणडेसूयं सद्भूवा
प्रव सूक्ष्म— सुणस्तु ३ सत्रिसू ३ सत्रिपद्म ३ सत्रिक
सूठव ३ सत्रिपादि ३ सूक्ष्म— यन्त्रं पद्म— नमः
यन्त्रं पद्म— सूर्य सुसमनीयं पद्म— नमः सम
लाठनमायन्त्र सकडसूपद्मलि विधवा प्रथंपद्म
—नमः यन्त्रीयं पद्म— सूर्य ॥ सवं सकिलि— कद्रु ॥
सवं उडर मलसिव ॥ सवं यक्षिम विष्णु ॥ सूल
लिङ्गेयति यन्त्रं सविमुरं मंभूसूप्रसयडा सवं
सुप ॥ ॐ ह्रां नमः सूललिङ्गसूय मडेसूर ठेर
वयनमः ॐ ह्रीं ह्रूं शिरसे नमः शिखायै विकव
माय ह्रूं नेत्रत्रय नमः सपुय कला ॐ ह्रौं नमः अ
मडेलान्तेनमः सवमङ्गनि ॐ वज्रमयठेरवा
यनमः सर्वाङ्गनि ह्रीं मध्यमेसूय नमः कृमि
ति· उङ्गनि ॥ उडमुद्रादि: सूर्यपीठपीयन्त्रं सूय
०५

यत्र लिखेत्पत्रेषु पादुकाक्षरैः प्रणवादितः ॥ ॐ
ह्रां हृदयाय नमः । ह्रीं शिरसे स्वाहा । ह्रूं शिखायै वषट् । ह्रैं कवचाय
हुं । ह्रौं नेत्रत्रयाय वौषट् । ह्रः अस्त्राय फट् । ॐ नमः ऋषये
नमः छन्दसे नमः देवतायै नमः मूलमन्त्रेण प्राणायाम
त्रयं कृत्वा ततः श्रीगुरुं ध्यात्वा पूजयेत् ॐ श्रीं ह्रीं
परमगुरवे श्रीपादुकां पूजयामि नमः ३ अमुकनाथ श्रीपादुकां ३ ॐ ह्रीं श्रीं
परमेष्ठिगुरवे श्रीपादुकां पूजयामि नमः ३ अमुकनाथ ३ परापर
गुरवे ॐ ह्रीं श्रीं परात्परगुरवे श्रीपादुकां पूजयामि
नमः ३ अमुकनाथ ३ ॐ ह्रीं श्रीं ऐं परमेष्ठिगुरवे
ॐ ह्रीं श्रीं ऐं परमेष्ठिगुरवे श्रीपादुकां पूजयामि नमः ३ ॐ
ह्रीं श्रीं ऐं परमेष्ठिगुरवे अमुकनाथ श्रीपादुकां पूजयामि नमः ३ ॐ
ह्रीं श्रीं ऐं क्लीं सौः त्रिपुरसुन्दर्यै नमः मूलमन्त्रेण
पूजयेत् त्रिकोणं कुलदेवतायै नमः गुरुपादुकां मन्त्रेण
कुलगुरून् पूजयित्वा ततः त्रिपुरसुन्दर्यै तर्पयेत्
गुरुपरम्परां ॥ ॐ ह्रीं सक ३ कए ३ हसल ३ म
हाप्रभ ३ महापद्म सर्वज्ञ सर्वसिद्ध सर्वशक्ति
सर्वमन्त्र सिद्धि नाथ ३ परमेष्ठिगुरवे सर्वगुरवे
कुलविद्याप्रिय श्रीगुरुमण्डलं गुरुपादुकां पूजयामि
नमः अघोरमूर्ति पादुकां पूजयामि तिलैः पुष्पैः पूजयामि ३

दक्षिणा कृतं ॥ प्रचविघ्नं मे शाम्यतां ॥ कनिष्ठिकाङ्ग
ष्ठस्य अङ्गुष्ठे तिलैः कनिष्ठस्य स्रुवा १ कनिष्ठ कृतं
कनिष्ठिका विघ्नं मे शाम्यतां ॥ उत्तर मध्यमस्य अङ्गु
ष्ठे तिलैः मध्यमस्य स्रुवा १ मध्यमस्य कृतं
उत्तर विघ्नं मे शाम्यतां ॥ यस्मिन् विष्णुव अङ्गुष्ठे
तिलैः विष्णुव स्रुवा १ विष्णुः कृतं मा ॥ ॐ ह्रीं
वागीश्वर्यै नमः [illegible] चकाउद्भ्य लि
पिपत्रे तिलैः ॐ ह्रीं वागीश्वर्यै स्रुवा ०। तिलैः
[illegible] वहु [illegible] ०। [illegible] विमलयता
[illegible] तिलयमत्र ठेणमेव भूतमिव वागीश्व
रि नमस्तु [illegible] विघ्नविघ्नुपमा। [illegible] तुं दे
मन वागीश्वरी [illegible] कपालः भीय
तुं भीत [illegible] ॥ यतः ठेरवशि [illegible] म
उविंसतीस्म [illegible] [illegible] यथा ॐ ह्रीं
मः ठेरवशि [illegible] स्रुवा १८ ॥ [illegible]
वसंस्कृतः ॥ ॐ [illegible] कोमि [illegible]
[illegible] कोमि [illegible] ह्रीं [illegible] [illegible]
[illegible] यतः [illegible] [illegible]
नि. [illegible] यतः [illegible] [illegible]

८

शिवाय नमः सद्योजाताय नमः शिवशक्तिरूपं नम

पुनः कथनं मूलकं । ॐ ह्रौं नामकूटस्य, ईशानाय
संपुटम् शिवशक्तिरूपे प्रकाशयेत् ॥ ॐ हं ईशानाय तत्पु
शिवाय सद्योजाताय नमः ॐ ह्रूं तत्पुरुषाय नमः ॐ ह्रूं
विष्णुतत्पुरुषाय नमः ॐ ह्रः शिवतत्पुरुषाय नमः शिरसि ॥
घघछ्र संपुटः ॥ ॐ ह्रः अघोरमूर्तये नमः सद्योजात संपु
टितं तत्पुरुषाय नमः ॐ ह्रूं रविमण्डलाय नमः ॐ ह्रीं
रूपाय नमः ॐ ह्रीं शिवलिङ्गाय नमः ॐ ह्रौं शक्तिलिङ्गाय नमः पञ्च
मुद्रा ॥ ॐ कलां कथनं करोमि कलां कलां मूलकं
करोमि कलां ॐ ह्रूं उद्भवनं करोमि कलां । सुप्रयत्नेन
पवित्रकल्पना ॥ कलां हृदयं करोमि कलां ॐ ह्रूं
मूलं ततः पूर्वमस्मात् तत्त्वकं मूलस्थं तत्त्वमूल ॐ ह्रां
पञ्चकूटा ॐ ह्रूं नमः उद्भवनं करोमि कलां ॐ ह्रूं
नमः संभवनं करोमि कलां सर्वलक्षणं मूलमन्त्र तत्त्व
पञ्च शक्तिं स्थापयेत् ॐ ह्रीं मूलकं करोमि नमः ॐ
सन्निधिमय तत्त्वं निशीकल्पन यत्तत्त्वमय मां ह्रूं
कूटत्रं कलां नीरस्नानं करोमि कलां पूर्वस्थितेन
कं तत्त्वमयं कथय ॐ ह्रूं नमः वज्रं स्थापयेत् ॐ क
लां मूलकं करोमि कलां ॐ ह्रूं नमः घमण्डमुकुटेश्वर
वाय नमः ॐ ह्रूं ह्रूं शिरसि नमः शिखा ॐ कव
च ह्रूं नेत्र नमः घमूयकलां घमण्डीं करोमि नमः

विष्णुं गणेश

सद्योजाताय नमः धाम्नायाय

ॐ ह्रीं अग्निप्रज्वलन सहकल्पसूर्यं अंगुष्ठ तर्जन्यो
र्मध्यमयोरनामा मध्ये स्वप्रसुप्तये नमः सकिल पि
ङ्गलये नमः कवच उष्ट्राय नमः ॥ नेत्रत्रये तर्ज
न्यां हृदये सहकल्पसूर्यप्रणम्यपि अंगुष्ठ ति
पिङ्गल सूर्याय प्रद्योतनमः सकिल हुं स्वप्रसु
सूर्याय वक्त्राय नमः [illegible] मः ऽ
हं सूर्याय भैरवाय नमः कवच नेत्रत्रयाय फट् ।
ॐ ह्रीं सकल सत्रिसर्व त्रिः हुं सः नेत्रत्रये स्वाहा ॐ ह्रीं
वमः सत्रि वर्म त्रिः हुं सः भैरव स्वाहा ॐ ह्रीं म
ध्यम सत्रि मध्य त्रिः हुं सः नेत्री भैरवं स्वाहा ॥
नेत्र त्रयाय फट् ॥ ॐ ह्रीं सकल सत्रि सर्व त्रिः हुं सः
नेत्रत्रये स्वाहा ॐ ह्रीं वमः सत्रि वर्म त्रिः हुं सः
प्रद्योत स्वाहा ॐ ह्रीं मध्यम सत्रि मध्य त्रिः हुं सः
नेत्रिप्रद्योतं स्वाहा ॥ त्रिः हुं सः ठं ठं ठः ॥ पु
सकलं करिष्ये स्वाहा ३ सम्पूर्णं ३ त्रिः हुं हं श्री
क्लीं हं हं हः सम्पूर्णं करिष्ये स्वाहा स्वाऽहमेव स
ऽहमि यत्र त्रिलो ॥ ॐ ह्रीं सन्नयमा ॥ ॐ ह्रीं देवाः
समुद्धित मह्रीं पद्मपादयमा ॐ ह्रीं प्रगल्भे
मःस्याः ॐ ह्रीं लिंकः सुकृत्सितः कियत्तदिव
छिमफि देवकिल्विषमानया उत्तमपह्रीं म

ति.
७

𑆘𑇀𑆚𑆼𑆤 𑆮𑆴𑆤𑆱𑆩𑇀𑆨𑆰𑆟𑆱𑇀𑆠𑆶𑆠 𑆔𑆤𑆶𑆠𑇀𑆠𑆮𑆠𑆳 𑆥𑆴𑆠𑆶𑆂 𑆨𑆽𑆫𑆮
𑆤𑆽𑆠𑇀𑆫𑆱𑇀𑆪 𑆤𑆩𑆶𑆱𑇀𑆪 𑆰𑇀𑆩𑆴𑆮𑆥𑆳𑆬𑆮𑆵𑆨𑆶𑆱𑇀𑆠𑆶𑆠𑆁 𑆨𑆽𑆫𑆮𑆓𑇀𑆤𑆼 𑆕𑆩
𑆩𑆢𑇀𑆢𑆩𑆢𑇀𑆢𑆪𑆳𑆨𑆴𑆤𑆩𑆂 𑇆 𑆥𑇀𑆫𑆠𑇀𑆮 𑆱𑆫𑇀𑆮𑆱𑇀𑆡𑆳𑆥 𑆠𑆴𑆕𑇀𑆑𑆁
𑆨𑆮𑆩𑆠𑇀𑆫𑆶𑆱𑆑𑆸 𑆃𑆣𑆴𑆫𑆩𑆶𑆡𑇀𑆮𑆢𑆮𑆼𑆥𑆬 𑇆 𑆨𑆱𑇀𑆫𑆶𑆨
𑆬 𑇅 𑆠𑆴𑆕𑇀𑆑𑆁 𑆨𑆽𑆫𑆮𑆓𑇀𑆤𑆼𑆂 𑆣𑆷𑆩𑆤𑆱𑆶𑆫𑆱𑆶𑆫𑆴 𑆥𑇀𑆫𑆑𑆠𑇀𑆠𑆶
𑆧𑆶𑆑𑇀𑆰𑆱𑆤𑆴𑆮𑆶𑆝𑆱𑆥𑇀𑆠 𑆨𑆮𑆩𑆁𑆱𑇀𑆠𑆶𑆫𑆂 𑆱𑆩𑇀𑆥𑇀𑆫𑆫𑆶𑆱𑆩𑆸𑆠𑆑𑆴
𑆥𑆫𑆾𑆱𑆶𑆢 𑇅 𑆱𑇀𑆮𑆼𑆱 𑆠𑆴𑆕𑇀𑆑𑆁 𑆨𑆽𑆫𑆮𑆱𑆷𑆪𑆤𑆩𑆱𑇀𑆠𑆶
𑆱𑆶𑆢 𑆮𑆼𑆥𑆬 𑇆 𑇄𑆂 𑆱𑆴𑆩𑆨𑆳 𑇆 𑇆𑆠𑆴
𑆇𑆢𑆱𑆴𑆱𑇀𑆤𑆫𑆥𑆬𑇀𑆬𑆤𑆱𑆴𑆩𑆂 𑆪𑆡𑆳𑆱𑇀𑆩𑆳𑆑𑇀𑆠𑆴𑆠𑆼𑆤𑆬𑇀𑆩𑆳
𑆱𑆴𑆩𑆠𑇀𑆫𑆶𑆱𑆑𑆸𑆁𑆱𑆴𑆩𑆪𑆝𑆳 𑇆 𑆩𑆣𑆶𑆮𑆫𑆬 𑆮𑆴𑆫𑆶𑆱𑇀𑆠𑆳
𑆱𑆴𑆱𑆴𑆩𑆪𑆝𑆳 𑆮𑆩𑆳𑆩𑆴𑆛𑆑 𑆠𑆴𑆝𑆼𑆩𑆂 𑆨𑆮𑆩𑆠𑇀𑆫𑆶𑆱
𑆑𑆸 𑆃𑆣𑆴𑆫𑆩𑆶𑆡𑇀𑆮𑆢𑆮𑆼𑆥𑆬 𑇆 𑆕𑆢𑆬𑆴𑆱𑆴𑆩𑆂 𑆠𑇀𑆮
𑆩𑆮 𑆪𑆮𑆠𑆴𑆬𑆇𑆰𑇀𑆟𑆬𑆱𑆴𑆩𑆂 𑇆 𑆇𑆇𑆩𑆶𑆣𑆬𑆥𑇀𑆬𑆰𑆲𑆶
𑆰𑆑𑆳 𑆔𑆤𑆼𑆤𑆩𑆠𑇀𑆫𑆶𑆱𑆴𑆩𑆤 𑆇𑆑𑇀𑆰𑇀𑆤𑆼𑆂 𑆥𑆴𑆠𑆶𑆂 𑆨𑆽𑆫𑆮𑆟𑆼
𑆔𑆤𑆶𑆑𑆘𑆶 𑆩𑆴𑆱𑇀𑆠𑆶𑆠𑆁 𑆨𑆮𑆩𑆮𑆂 𑆇𑆠𑇀𑆱𑆫𑇀𑆓𑆠𑆴𑆠𑆴𑆂 𑆪𑆮
𑆠𑆴𑆬𑆇𑆰𑇀𑆟𑆬 𑆱𑆠𑆴𑆠𑆴𑆂 𑆥𑆵𑆪𑆠𑆁 𑆥𑆵𑆝𑆁 𑆣𑇀𑆫𑆶𑆇 𑇆 𑆥𑇀𑆫𑆮
𑆤𑆫𑆑𑆩𑆴𑆥𑆤𑆳𑆯𑆵𑆑𑆴𑆠𑆱𑇀𑆪 𑆘𑆶𑆢𑆕 𑆠𑆴𑆕𑇀𑆑𑆁 𑆔𑆥𑆑
𑆢𑆴𑆂 𑆤𑆴𑆫𑇀𑆮𑆸𑆠𑆴𑆑𑆬𑇀𑆥𑆪𑆁 𑆥𑆫𑆵𑆇𑆇 𑆱𑇀𑆮𑆳𑆣𑆤𑇀𑆤𑆶𑆂
𑆔𑆮𑆵𑆱𑆴𑆤𑆫𑆑𑆁 𑆱𑆼𑆥𑆥𑆳𑆱𑇀𑆩𑆴𑆱𑆶𑆢 𑇐·𑇓 𑆰𑇀𑆮𑆁 𑆤𑆼𑆥𑆮
𑆤𑆫𑆑𑆁 𑇐·𑇓 𑆠𑆶𑆰𑇀𑆥𑆵𑆥𑆑𑆤𑆫𑆑𑆁 𑇐·𑇓 𑆇𑆩𑆴𑆱𑆶𑆤𑆫𑆑𑆁 𑇐·𑇓

सूचीमुखनरकं ०·३ शाल्मलीवननरकं ०·३ असिपत्र
वननरकं ०·३ पङ्कनरकं ०·३ सदपङ्कनरकं ०·३
कलप्रदनरकं ०·३ असीभुज्यनरकं ०·३ सन्दक
यनरकं ०·३ कुम्भनरकं ०·३ सभियपत्रनरकं ०·३
सभितलनरकं ०·३ कूष्मसुकनरकं ०·३ डीकुत
नरकं ०·३ वज्रतुण्डनरकं ०·३ सभूरीयनरकं ०·३
सक्षरसिनरकं ०·३ सशाक्रायनरकं ०·३ तेलेभि
र्विकृतं समकर्मैः निर्वाक्तिकल्पयं श्रीगुरुदेव
सम्प्रदायः पञ्चसप्तति नरकं मुक्तिप्रमुक्ताय
उतिनरकसेचन। ॥ सर्वपञ्चकल्पमुक्तिः ॥
श्रीगुरुपादुका वृन्दं नमस्तु ३ सर्वभु ३ सर्व
पाद्य ३ सर्वनिवेदन ३ सर्वनिधि ३ श्रीगुरुपा
दुकायै पञ्च पद्मनमः सत्य पद्मनमः सप्त
सर्वीयं पद्मनमः समालन्नसपाद्य सकाय
सालिवेयप्रय प्रथं पद्मनमः रक्तसीयं पद्म
नमः ॐ श्रीगुरुपादुकाय ०· श्रीगुरुपादि
काय वृन्दं सप्त ०· तेलेभि र्विरुंमः सम्यक
त्वैः समयतत्र श्रीगुरुमुक्तिः सम्प्रदायेयत ॥
नवसयुक्तसवरु उपयुक्तयपत्र ०· सभुद
पादुकायै विधूयसूत्र ०· तेलेभि र्विरुंमः स
विः
०१

ष्कशक्तिः ममकस्य सुयशस्सुसिद्धिरमुशपन्वेय
ग ॥ उं लं मुद्रां वक्त्र । उं लं मुद्रायनमः ०· उं
लं मुद्रापिण्डाय कमुद्रायनमः ०· उं लीं मि तिद्धुं
मः नमःकशक्तिः ममकस्य उं लं मुद्रासुसिद्धिरमुशपन्
वेयग ॥ वयमुद्रां वक्त्र । वयमुद्रायनमः ०·
वयमुद्रापिण्डाय गंमुद्रायनमः ०· उं लीं मि तिं
द्धुं मः नमःकशक्तिः ममकस्य वयमुद्रासुसिद्धिरमु
शपन्वेयग ॥ सुकममुद्रां वक्त्र । सुकमम
द्रायनमः ०· सुकममुद्रापिण्डाय ममसिक
यनमः ०· उं लीं मि तिद्धुं मः नमःकशक्तिः मम
कस्य सुकममुद्रासुसिद्धिरमुशपन्वेयग ॥ तिसु
द्धुउदय ०· हुं विसुउदयनमः ०· मः सिवउ
दयनमः ०· तिह्रीं सुं नं वृक्षं समतमद्यपामि
नमः ०·३ उं कं मनस्वदे नमममद्यपामिनमः ०·३
उं मं किं ममवन्ममद्यपामिनमः ०·३ उं टं वं
धृवं कुयमद्यपामिनमः ०·३ उं उं तं वं द्धुं युद्धिम
द्यपामिनमः ०·३ उं यं वक्षं नमुमद्यपामि
नमः ०·३ उं यं ममञ्जयं यदद्धुतिमद्यपा
मिनमः ०·३ उं मं मदनकुं मनः नमद्यपामि

ओं १.२ अस्त्र ॐ ह्रूं नमः सर्वकर्मेभ्यः प्र
वप्रक्लिप्त सर्वक्षेत्रकृत विघ्नं ॥ ॐ ः
सर्वभूतक्षेत्रपेभ्यः विघ्न [illegible] ~ [illegible]
[illegible]यतां ॥ ह्रां ह्रीं ह्रूं ह्रैं ह्रः [illegible] ॥ ॐ ः सर्वक्षे
त्रविंशति ॐ ह्रूं [illegible] [illegible] सर्व [illegible]
लिः प्रसंस्कृताः ॥ ॐ क्षेत्रे क्षपान्नमः १ ल
लय क्षपान्नमः २ [illegible] क्षपान्नमः ३ व
वे क्षपान्नमः ४ [illegible]य क्षपान्नमः ५ ग
[illegible]य क्षपान्नमः ६ [illegible]य क्षपान्नमः ७ [illegible]
य क्षपान्नमः ८ [illegible]य क्षपान्नमः ९ [illegible]
य क्षपान्नमः १० [illegible]य क्षपान्नमः ११ [illegible]
य क्षपान्नमः १२ [illegible]य क्षपान्नमः १३ [illegible]
[illegible]य क्षपान्नमः १४ [illegible] क्षपान्नमः १५
[illegible]य क्षपान्नमः १६ [illegible] क्षपान्नमः १७
[illegible] क्षपान्नमः १८ [illegible] क्षपान्नमः [illegible] १९
य क्षपान्नमः २० [illegible] क्षपान्नमः २१ [illegible]
[illegible]य क्षपान्नमः २२ [illegible] क्षपान्नमः २३
नि. [illegible]य क्षपान्नमः २४ इति अष्टविंशति
१९ [illegible] सर्वक्षेत्र [illegible] यतां ॥

[illegible] निवृत्ति
कलायै नमः १ प्रतिष्ठाकलायै नमः २ वि
द्याकलायै नमः ३ शान्तिकलायै नमः ४
शान्त्यतीतकलायै नमः ५ ॥ निवृत्तिक
लाधिपतये ब्रह्मणे नमः १ प्रतिष्ठाक
लाधिपतये विष्णवे नमः २ विद्याकलाधि
पतये रुद्राय नमः ३ शान्तिकलाधिप
ये ईश्वराय नमः ४ शान्त्यतीतकलाधिप
तये सदाशिवाय नमः ५ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ ह्रीं पुरुषतत्त्वस्वरूपाय नमः ० नि
यतितत्त्वस्वरूपाय नमः १ कालतत्त्वस्वरू
पाय नमः २ रागतत्त्वस्वरूपाय नमः ३ वि
द्यातत्त्वस्वरूपाय नमः ४ कलातत्त्वस्वरूपाय
नमः ५ मायातत्त्वस्वरूपाय नमः ६ शुद्ध
विद्यातत्त्वस्वरूपाय नमः ७ ईश्वरतत्त्वस्व
रूपाय नमः ८ सदाशिवतत्त्वस्वरूपाय न
मः ९ ॥ इति [illegible]
[illegible] स्वरूपाय नमः शिवस्वरूपाय नमः ॥
[illegible]

नि॰
१०

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] चतुर्भ्यां ॥ [illegible]
[illegible] केलिनी [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ ह्रीं श्रीं
क्लीं ठं [illegible]
[illegible] ह्रीं श्रीं क्लीं ठं केलि
[illegible] ह्रीं श्रीं
क्लीं ठं [illegible]
[illegible] ह्रीं श्रीं क्लीं ठं
[illegible]
नि. ह्रीं श्रीं क्लीं ठं [illegible]
१० [illegible]

[illegible]

त्रि.

९९

[illegible] ॥ ततः [illegible]
[illegible] ॥ ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
शिवाय [illegible] ाय [illegible] ाय [illegible] ाय [illegible]
[illegible] ाय योग [illegible] ाय [illegible]
[illegible] ाय [illegible] नमः शिवाय [illegible]
[illegible] शिवाय [illegible] ाय [illegible]
[illegible] ाय [illegible] ाय [illegible]
[illegible] नमः [illegible] ाय [illegible] ाय
[illegible] ाय [illegible] ाय [illegible]
[illegible] १ [illegible] १ [illegible] १ [illegible] १
[illegible] १ [illegible] १ [illegible] १ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] शिव [illegible]
[illegible] १
[illegible] १ [illegible] १ [illegible] १ [illegible]
[illegible]

सदाशिव ?स्वित १ स्वसंपुट १ प्रचार्यभु
ट १ स शिवा। १ ऊर्ध्व १ पश्चिम १ दक्षिण १
उत्तर १ [illegible] १ अस्त्र १ शिवमन्त्र संचार
नमो नमः ॐ शिवाय नमो नमः हूं ॐ
त्रिशूलमुद्रा ॐ नमः सद्योजाताय प्राय प्रा
स्वराय योगाय योगसंभवाय कर १ ऋ
ण १ अस्त्र १ ठठ १ ठवि सूत्र व समाठव संचक
हृ समसमन्त नमोऽस्तु श्रुं ? हृदयाय यन्नमः
शु शिव शिवाय नमः शिरसे स्वाहा शिव हृदय
य ? लिह्वे स्वाहा शिखायै वौषट् ॐ शि
वमूर्तकं सद्योजातः सखड्गमपराजितमा
श्वपतये सदा धार्यं कवचं धिगम्बलं सुरभा क
वचमवगुण्ठमा ज्ञापय रिपुनिकुञ्ज कवच शिव
ब्ध्य हृदयं वद्ध १ शुष्ठ १ ककि १ अ
स्त्र १ वज्रपात १ वज्रपञ्जर वज्रसनि स्वस्व
सर्वाभत्र भ्रमैस भवसुष्ठुपुकुरुमुपय १ हुं ठ
कवचाय हुं त्रिनेत्र ? १ [illegible] १ ? १ उत्त
रज्ञ ? १ ? १ क ? १ ? य १ हुं
ठ शुं सम्भु ? शिव ? क ? स ? शि
व ? शिव य शिवा ? य शिव [illegible]

त्रि॰

१३

नमः बलविकरण्यै नमः बलप्रमथन्यै
नमः सर्वभूतदमन्यै नमः मनोन्मन्यै
नमः ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] नमः [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] नमः [illegible]
[illegible]
[illegible] नमः [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] नमः [illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
नि. [illegible]
१८

𑆩𑆠𑇀𑆫𑆴𑆥𑆴𑆱𑇀𑆠𑆶𑆱𑇀𑆮𑆳𑆲𑆳 𑆮𑆿𑆰𑆛𑇀 𑇆 𑆠𑇀𑆫𑆴𑆓𑆁𑆓𑆳𑆱𑇀𑆪
𑆲𑆳 𑆘𑆁𑆘𑆱𑆫𑆳𑆪 𑆱𑇀𑆮𑆳𑆲𑆳 𑆩𑆷𑆁 𑆠𑇀𑆫𑆴𑆪𑆱𑇀𑆮𑆳𑆲𑆳 𑆩𑆁
𑆨𑆓𑆱𑇀𑆠𑆶𑆲𑆴 𑆱𑇀𑆮𑆳𑆲𑆳 𑆮𑆮𑆴𑆱𑇀𑆠𑇀𑆫𑆶𑆑𑆱𑇀𑆮𑆳 𑆱𑇀𑆮𑆳𑆲𑆳 𑇄 𑆲𑇀𑆫𑆂 𑆥𑇀𑆫𑆠
𑆠𑇀𑆫𑆴𑆲𑇀𑆫𑆷𑆁 𑆱𑆂 𑆩𑆲𑆳𑆑𑆳𑆬𑆴 𑆓𑆶𑆥𑆬 𑆤𑆠𑇀𑆫𑆴𑆱𑇀𑆠𑇀𑆫𑆴𑆱𑇀𑆮
𑆲𑆳 𑆮𑆿𑆰𑆛𑇀 𑇆 𑆩𑆁𑆢𑆳𑆜𑆮𑆶𑆪 𑆱𑇀𑆮𑆳𑆲𑆳 𑆜𑆵𑆩
𑆲𑆳𑆜 𑆑𑆥𑆬𑆱𑆜 𑆠𑆩𑆠𑇀𑆫𑆶𑆜𑆫𑆮𑆪 𑆲𑇀𑆫𑆥𑆳
𑆬𑆜 𑆩𑆢𑆜 𑆤𑆤𑆜 𑆱𑆨𑆴𑆠𑇀𑆫𑆶𑆤𑆳 𑆜𑆫𑆮𑆪
𑆱𑇀𑆮𑆳𑆲𑆳 𑆠𑇀𑆫𑆴𑆩𑆤𑆬𑆑𑇀𑆫𑆶 𑆱𑇀𑆮𑆳𑆲𑆳 𑆩𑆩𑆢𑆳𑆪𑆱𑇀𑆮𑆳𑆲𑆳
𑆮𑆳𑆜 𑆤𑆶 𑆮𑆱𑇀𑆠𑆶𑆲𑆴 𑆱𑇀𑆮𑆳𑆲𑆳 𑆑𑆴𑆩𑆢𑆴 𑆱𑇀𑆮𑆳𑆲𑆳 𑆠𑇀𑆫𑆴
𑆨𑆤𑆱𑇀𑆠𑆶𑆲𑆴 𑆮𑆸𑆑𑆸 𑆱𑇀𑆮𑆳𑆲𑆳 𑇆 𑇄 𑆲𑇀𑆫𑆂 𑆥𑇀𑆫𑆠 𑆠𑇀𑆫𑆴
𑆲𑇀𑆫𑆷𑆁 𑆱𑆂 𑆩𑆲𑆳𑆑𑆳𑆬𑆴 𑆥𑇀𑆫𑆮𑆥𑇀𑆫𑆨𑆴𑆠𑇀𑆫𑆶𑆱𑇀𑆠𑇀𑆫𑆴𑆱𑇀𑆮
𑆲𑆳 𑆮𑆿𑆰𑆛𑇀 𑇅 𑆮𑆝𑆑𑆪 𑆱𑇀𑆮𑆳𑆲𑆳 𑆩𑆲𑆳𑆪𑆱𑇀𑆮
𑆲𑆳 𑆥𑆢𑇀𑆩𑆪 𑆱𑇀𑆮𑆳𑆲𑆳 𑆠𑇀𑆫𑆴𑆱𑆶𑆬 𑆪 𑆱𑇀𑆮𑆳𑆲𑆳 𑆓𑆫𑆶𑆝𑆪 𑆱𑇀𑆮𑆳𑆲𑆳
𑆱𑆫𑇀𑆥𑆪 𑆱𑇀𑆮𑆳𑆲𑆳 𑇅 𑆥𑇀𑆫𑆮𑆤𑆑𑆪 𑆱𑇀𑆮𑆳𑆲𑆳 °
𑆠𑆩𑆩𑆑𑆪 𑆱𑇀𑆮𑆳𑆲𑆳 𑆑𑆑𑇀𑆬𑆪 𑆱𑇀𑆮𑆳𑆲𑆳 𑆜𑆵𑆩
𑆓𑆮𑆪 𑆱𑇀𑆮𑆳𑆲𑆳 𑆮𑆝𑆤𑆩𑆪 𑆱𑇀𑆮𑆳𑆲𑆳 𑆑𑆳𑆮𑆵𑆫
𑆥 𑆱𑇀𑆮𑆳𑆲𑆳 𑆑𑆳𑆑𑇀𑆱𑆥𑆪 𑆱𑇀𑆮𑆳𑆲𑆳 𑆑𑆬𑆓𑆷𑆁𑆩𑆪
𑆱𑇀𑆮𑆳𑆲𑆳 𑆘𑆬𑆩𑆓𑆪 𑆱𑇀𑆮𑆳𑆲𑆳 𑆠 𑆮𑆧𑆱𑇀𑆓𑆠𑇀𑆫𑆷𑆥
𑆩𑆱𑆤𑆳𑆥𑆳𑆓𑆷𑆥𑆁𑆠𑇀𑆫𑆳 𑇅 𑆱𑆤𑆠𑇀𑆫𑆳𑆁𑆱𑆶 𑆮𑆼𑆱𑇀𑆩𑆳

[illegible]

ति.

९५

ति०
१७

[illegible]

...पूर्वं ॐ वज्र... ...र वक्त्राय नमः ०-३

वक्त्र... ...य नमः ... वक्त्रा

य नमः ... वक्त्राय नमः ...

र वक्त्राय नमः ... वक्त्राय नमः

... न वक्त्राय नमः ॥ ... वक्त्र

... ... व

... ...

... ... विहि ः॥ ८॥८॥८॥८॥८॥८॥

... ...

[illegible]

[illegible]